# न्याय के लिए पैदल ही परिवार सहित जयपुर रवाना हुई दुष्कर्म पीड़िता

## आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर महिला तीन महीने से पुलिस के चक्कर लगा रही थी

**बीकानेर,** (कासं)। महिला अत्याचार के मामलों में पुलिस का बड़ा कारनामा सामने आया है। दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर महिला तीन महीने से पुलिस के चक्कर लगाती रही। अंत में न्याय के लिए वह पैदल ही परिवार सहित जयपुर रवाना हो गई। मामला मुख्यालय तक पहुंचा तो पुलिस ने आरोपी को शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया।

दरअसल मामला लूणकरणसर थाने का है। किस्तूरिया गांव की एक विधवा महिला के साथ उसी के भतीजे ने दुष्कर्म कर डाला। पीड़िता ने 27 अगस्त को थाने में भतीजे के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी पक्ष पीड़िता को धमकाने लगे । महिला ने थाने में शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। परेशान होकर 27 सितंबर को वह परिवार सहित कलेक्ट्रेट पर धरने पर बैठ गई और भूख हड़ताल शुरू कर दी। दस दिन बाद आरोपी को पकड़ने का आश्वासन मिलने पर उसने अनशन तोड़ दिया।

फिर भी आरोपी नहीं पकड़ा गया तो महिला ने एसपी और आईजी से गुहार लगाई। यहां न्याय ना मिलते देख सामाजिक कार्यकर्ता शारदा राव के नेतृत्व में उसने परिवार सहित जयपुर कूच कर दिया। महिला 11 नवंबर को रवाना हुई थी। सीकर पहुंचने पर उसे आरोपी पोकरराम की गिरफ्तारी का मैसेज मिला। शारदा राव ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को शांति भंग करने के आरोप में पकड़ कर खानापूर्ति की है। राव का कहना है कि आरोपी रसूख वाले होने के कारण पुलिस दबाव में है। दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने का मामला मानवाधिकार आयोग तक जा पहुंचा है। पीड़िता ने मुख्यमंत्री से लेकर आयोग तक गुहार लगाई थी। उसके बाद आयोग ने फाइल तलब कर ली। एसएचओ चंद्र सिंह ने बताया कि फाइल आने पर आगे की कार्रवाई होगी। आरोपी को 151 में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

- **जांच में दो एस.एच.ओ ने जुर्म प्रमाणित किया, पैदल जयपुर रवाना होने पर पुलिस ने शांति भंग में पकड़ा**
- **आरोपी रसूख वाले होने के कारण पुलिस दबाव में है : शारदा राव**

दुष्कर्म के मामले की जांच में एसएचओ लूणकरणसर चंद्रसिंह भाटी और कालू एसएचओ सुरेश कुमार मील ने जांच में दुष्कर्म प्रमाणित तो माना लेकिन आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया। वह फरार हो गया। सामाजिक कार्यकर्ता शारदा राव ने बताया कि आरोपी और उसके साथियों की गिरफ्तारी को लेकर जब आईजी से मिलने गए तो आरोपी पक्ष के लोग पहले से ही उनके पास बैठे थे। रसूख वाले होने के कारण पुलिस दबाव में रही। उधर गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी हाई कोर्ट गए बताए।

दुष्कर्म के मामलों को लेकर लूणकरणसर पुलिस की ढिलाई का एक ओर मामला सामने आया है। दलित नाबालिग लड़की से गैंग रेप के आरोपी एक महीने बाद भी नहीं पकड़े गए हैं। इसे लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पुलिस महानिदेशक और एसपी को नोटिस जारी कर रिपोर्ट तलब की है।

घटना आठ अक्टूबर की है। छोटा मलकीसर में रात करीब 12 बजे तीन लोग एक नाबालिग लड़की को घर से अगवा कर ले गए और उसके साथ गैंग रेप किया। घटना का मुकदमा नौ अक्टूबर को पुलिस थाने में दर्ज हुआ। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पीड़ित पक्ष ने एसपी के समक्ष गुहार लगाई। फिर भी कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को परिवाद भेजा। याचिकाकर्ता अमन खान के अनुसार आयोग ने उचित कार्रवाई के लिए डीजीपी को नोटिस भेजा है। राज्य के शीर्ष अधिकारियों व पुलिस अधीक्षक से चार सप्ताह में रिपोर्ट तलब की है। इस मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग को भी कार्रवाई के लिए लिखा है।

योगेश यादव, एसपी का कहना है कि दुष्कर्म के मामले की जांच दो बार कराई है। फाइल आयोग में भेजी हुई है। उसके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपी पकड़ा जा चुका है।

# गेहूं गबन के मामले में जयपुर से पहुंची जांच टीम

## दस्तावेज खंगाले, एसडीएम कार्यालय में राशन डिपो संचालकों से की पूछताछ

**सूरतगढ़,** (निसं)। क्षेत्र में गेहूं गबन के मामले में खाद्य सुरक्षा विभाग की जयपुर से पहुंची टीम ने उपखंड कार्यालय में निलंबित चल रहे राशन वितरण डीलरों को बुलवाकर उनके दस्तावेजों की जांच की। टीम में शामिल अधिकारियों ने उचित मूल्य दुकानदारों से उपभोक्ताओं के बकाया गेहूं का वितरण किया या नहीं इस बारे में भी पूछताछ की।

जिसमें अधिकांश दुकानदारों द्वारा गेहूं का वितरण नहीं किए जाने की बात सामने आई। वहीं टीम ने अतिरिक्त चार्ज वाले दुकानदारों से भी राशन सामग्री के वितरण को लेकर उनसे फीडबैक लिया। इसकी जांच रिपोर्ट टीम खाद्य सुरक्षा अधिकारी को आगामी कार्रवाई के लिए सौंपेगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि शहर और ग्रामीण क्षेत्र के 31 उचित मूल्य दुकानदारों द्वारा करीब 1800 क्विंटल गेहूं का उपभोक्ताओं को वितरण ना करके गबन कर लिया था। इसके बाद रसद विभाग की टीम ने जांच में दोषी पाए जाने वाले दुकानदारों के लाइसेंस निलंबित कर उनके नजदीकी उचित मूल्य दुकानदारों को इनकी राशन सामग्री को बांटने के लिए अधिकृत किया था। जांच टीम में सुरक्षा खाद्य सुरक्षा विभाग की उपायुक्त अलका मीणा, सतर्कता विभाग के शशि शेखर, ईआई हेमंत कुमार, सहायक उपायुक्त रामचरण मीणा और राजेंद्र कुमार शामिल रहे। जिन्होंने निलंबित उचित मूल्य दुकानदारों को एसडीएम कार्यालय में बुलाकर उनके दस्तावेजों को खंगालते हुए जांच की।

- **टीम ने उपभोक्ताओं को गेहूं का वितरण किया या नहीं इस बारे में भी पूछताछ की**
- **रसद विभाग की टीम ने जांच में दोषी पाए जाने वाले दुकानदारों के लाइसेंस निलंबित किए**

# मालपुरा में सरकारी जमीन व भूखण्डों पर हो रहे कब्जे

शहर की इन्द्रा कॉलोनी में कब्जे की शिकायत पर तहसीलदार ने मौका निरीक्षण किया।

**मालपुरा,** (निसं)। मालपुरा नगरपालिका में बीते छह माह से चल रहे अध्यक्ष व ईओ बदलने के खेल का फायदा उठाते हुए बीते दिनों भाजपा पार्षद द्वारा पांच दिन पहले इन्द्रा कॉलोनी वार्ड नम्बर 31 में रात के अंधेरे में दो भूखण्डों पर कब्जे का प्रयास कॉलोनीवासियों की सजगता से विफल होने तथा तहसीलदार द्वारा जांच रिपोर्ट एसडीएम को सौंपे जाने का मामला सामने आया है।

मामले के अनुसार नगरपालिका पार्षद बाबूलाल नावरिया द्वारा बीते दिनों इन्द्रा कॉलोनी वार्ड नम्बर 31 में रिक्त पड़े भूखण्ड संख्या 219 व 220 पर कब्जे की नीयत से रात के अंधेरे में बालू मिट्टी के डम्पर डाले जाने के दौरान कॉलोनी वासियों व वार्ड पार्षद लोकेश बाडोलिया द्वारा विरोध कर मामले की शिकायत एसडीएम रामकुमार वर्मा को की। जिसपर एसडीएम ने तत्काल तहसीलदार सहदेव मंडा, नायब तहसीलदार व राजस्व मंडल एवं नगरपालिका टीम को मौके पर भेज मौका रिपोर्ट देने के निर्देशो के बाद तहसीलदार मंडा की अगुवाही में पुलिस जाप्ते के साथ पहुंची टीम ने बाबूलाल नावरिया को मौके पर दस्तावेज लेकर बुलाया लेकिन नावरिया ने मोबाईल बंद कर लिया।

राजस्व विभाग के पास मौजूद सिटी सर्वे सीट व अन्य दस्तावेजों के आधार पर पड़ताल की तो दोनों भूखण्ड पालिका के होना सामने आने की जानकारी मिली है। तहसीलदार ने मामले की मौका रिपोर्ट बना एसडीएम रामकुमार वर्मा को सौंपी।

नगरपालिका में बार-बार अध्यक्ष व ईओ बदलने तथा कर्मचारियों के तबादलों के चलते भूमाफिया पालिका की रिक्त पड़ी करोडों रूपयों की बेसकिमती जमीन व भूखण्डों पर कच्चे-पक्के निर्माण करने अथवा निर्माण सामग्री डाल कब्जा करने का खेल युद्ध स्तर पर चल रहा है।

- **भाजपा पार्षद ने रात के अंधेरे में दो भूखंडों पर कब्जा करने का प्रयास किया**
- **तहसीलदार ने एस.डी.एम. को सौंपी रिपोर्ट**

# सरदारशहर उप चुनाव में भाजपा के 40 नेता उतरेंगे

**जयपुर,** (कासं)। सरदारशहर के उप चुनाव की बिसात बिछ चुकी है। अब दोनों ही पार्टियां प्रचार में जुटेगी। भाजपा ने उप चुनाव के लिए उन 40 नेताओं की सूची जारी की है। ये नेता भाजपा प्रत्याशी अशोक पिंचा के पक्ष में प्रचार करेंगे।

पार्टी की ओर जारी सूची में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां के साथ नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड के नाम भी शामिल हैं। इनके अलावा प्रदेश प्रभार अरुण सिंह, सह प्रभारी विजया राहटकर, वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश माथुर,

- **पूर्व सीएम वसुंधरा, प्रदेशाध्यक्ष पूनिया, नेता प्रतिपक्ष कटारिया और उपनेता प्रतिपक्ष राठौड़ के नाम शामिल**

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी, किरोडी लाल मीणा, राजेंद्र गहलोत, सांसद कनकमल कटारा, सीपी जोशी, नरेंद्र खींचड, राहुल कस्वां, दीया कुमारी, राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, विधायक कैलाश मेघवाल, मदन दिलावर, भजन लाल शर्मा, मुकेश दाधीच, माधोराम चौधरी, पंकज गुप्ता, हिमांशु शर्मा, अलका मूंदड्डा, पूर्व विधायक प्रभुलाल सैनी, धर्मवीर पुजारी, रामगोपाल सुथार, रामसिंह कस्वां, अभिनेष महर्षि, बिहारीलाल विश्नोई, बलवीर लूथरा, निर्मल कुमावत, हरलाल सारण और मोहन मोरवाल को भी प्रचार सूची में शामिल किया गया है।

# 28.80 लाख की अवैध शराब बरामद, वाहन जप्त

## जोधपुर आबकारी विभाग की कार्यवाही

**जोधपुर,** (कासं)। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त, जोन जोधपुर व जिला आबकारी अधिकारी, जोधपुर के निर्देशानुसार आबकारी निरोधक दल के आबकारी अधिकारी पोमाराम रोहिण एवं सहायक आबकारी अधिकारी हुकमसिंह सोढा के नेतृत्व में की गई कार्यवाही में काफी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई।

यह जानकारी देते हुए अतिरिक्त आयुक्त आबकारी, जोधपुर जोन रामचन्द्र गरवा ने बताया कि मुखबीर खास की सूचना पर देवाराम चौधरी प्रभारी आबकारी थाना जोधपुर शहर मय जाप्ता की टीम द्वारा करवड पुलिया के पास नागौर-जोधपुर हाईवे रोड पर नाकाबन्दी की गई। इसी दौरान अवैध शराब से भरे एक भारी वाहन 12 चक्का ट्रक वहां से गुजरा ।उसे रोक कर तलाशी ली गई।

ट्रक के के बॉडी पार्टीशन में भरे कुल 400 कागज कार्टूनों में 4200 बोतल व 2400 पव्वे मेकडॉवल्स, नं. 1 व्हिस्की अवैध अंठोजी फोर सेल इन पंजाब राज्य की भरी बरामद हुई। इस पर अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त एक वाहन को जप्त किया गया। इस जब्त ट्रक का ड्राईवर ट्रक को खड्डा छोड़ अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया जिसकी तलाश जारी है। पकड़ी गई अवैध शराब की अनुमानित कीमत 28 लाख 80 हजार रुपये है।

- **ट्रक के बॉडी पार्टीशन से पुलिस ने पंजाब निर्मित शराब बरामद की**

# खारी गांव उपद्रव : ग्रामीण डांगियावास थाने के सामने धरने पर बैठे

**जोधपुर,** (कासं)। डांगियावास के खारी गांव में मंगलवार की सुबह हुए बजरी लीज होल्डर एवं ग्रामीणों के तनाव के बीच पुलिस बल तैनात है। इधर आज सुबह ग्रामीणों ने डांगियावास थाने के सामने धरना दिया। दोपहर तक कोई माइनिंग अफसर या अन्य अधिकारी वार्ता के लिए नहीं पहुंचा। यह लोग ज्ञापन और अन्य मांगों को लेकर धरना देकर बैठे हैं। पुलिस ने मंगलवार को हुए घटनाक्रम में 18 लोगों को अब तक शांति भंग में पकड़ा है। मगर उनकी गिरफ्तारी नहीं बताई है। दोपहर बाद में उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। इधर पुलिस ने सजगता के तौर पर पहरा दे रखा है। हालांकि आज कोई अनहोनी सामने नहीं आई है। रात को भी पुलिस बल तैनात रहा।

- **पुलिस बल तैनात, अब तक 18 लोग शांति भंग में गिरफ्तार**

डांगियावास थानाधिकारी कन्हैयालाल ने बताया कि खारी गांव में मंगलवार की सुबह बजरी लीज होल्डर एवं ग्रामीणों में तनातनी के बाद बवाल हुआ था। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने पुलिस थाने के सामने 500 मीटर की दूरी बने पर वीर तेजाजी मंदिर की चबूतरी पर धरना दिया है। एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात है। माइनिंग अफसरों के आने पर उन्हें ज्ञापन दिए जाने के साथ ग्रामीण कुछ मांगे पर रखे हुए हैं ताकि फिर से गांव में बवाल ना हो।

# पी.डब्ल्यु.डी. लेखाधिकारी के तीन ठिकानों पर एसीबी की कार्रवाई

**कोटपूतली,** (निसं)। एसीबी की इंटेलिजेंस इकाई द्वारा विकसित सूचना पर बुधवार को विभिन्न टीमों ने कोटपूतली के पीडब्ल्यूडी कार्यलय में कार्यरत लेखाधिकारी महिपाल सिंह के जयपुर व कोटपूतली सहित तीन ठिकानों पर छापेमार कार्यवाही की गई है।

जिसमें आरोपी लेखाधिकारी के मकान से वैध आय से लगभग 200 प्रतिशत अधिक परिसंपत्तियों का खुलासा हुआ है। भ्रष्टाचार निरोद्धक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय द्वारा खण्डिए लेखाधिकारी सार्वजनिक निर्माण विभाग कोटपूतली महिपाल सिंह के खिलाफ सत्यपान किया जाकर आय से अधिक परिसंपत्तियां अर्जित करने का मामला पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी जयपुर ग्रामीण आहद खान के नेतृत्व में ब्यूरो कि जयपुर ग्रामीण नगर तृतीय एवं इंटेलिजेंस यूनिट के सहयोग से टीमों का गठन किया गया।

आरोपी लेखाधिकारी महिपाल के ठिकानों पर एसीबी ने कार्रवाई की।

उक्त टीमों ने अल सुबह आरोपी के तीन अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी कि कार्यवाही की। अब तक मिले दस्तावेजों के मुताबिक आरोपी महिपाल सिंह द्वारा करीब 2.63 करोड़ कि परिसंपत्तियां अर्जित करने का अनुमान है। जो उसकी वैध आय से करीब 200 प्रतिशत अधिक है। आरोपी द्वारा अपनी अवैध आय को जयपुर, कोटपूतली में आवासीय, व्यावसायिक भू-खण्डों, फ्लैटों एवं म्यूचवल खण्ड, इंश्योरेंस आदि में निवेश करना मालूम चला है। आरोपी के जयपुर स्थित मकान से 10 लाख 23 हजार 40 रुपए की नकदी, एक किलो सोने के बिस्किट, 372 ग्राम सोने के आभूषण, 2 लग्जरी वाहन सहित भारी मात्रा में चल-अचल संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं।

- **वैध आय से करीब 200 प्रतिशत अधिक संपत्तियों का खुलासा**
- **आरोपी के आवास व अन्य ठिकानों पर तलाश जारी**

आरोपी के कोटपूतली स्थित कार्यालय एवं आवास कि तलाशी में 2 स्टोन क्रेशर, खनन लीज के दस्तावेज एवं एक बैंक में लोकर होने का भी पता चला है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देशन में एसीबी की विभिन्न टीमों द्वारा आरोपी के ठिकानों पर तलाशी अभियान जारी है। जिसमें और अधिक परिसंपत्तियों का पता चलने कि संभावना है। आरोपी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का पीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

# कांग्रेस, बीजेपी किसानों की दुश्मन: अमराराम

**सरदारशहर,** (निसं)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी ने सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र के उप चुनाव में उम्मीदवार खडा किया है। सीपीआईएम से सांवरमल मेघवाल ने पर्चा दाखिल किया। किसान मजदूर भवन में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए पार्टी के राज्य सचिव पूर्व विधायक कॉमरेड अमराराम ने कहा कि कांग्रेस व बीजेपी किसानों और नोजवानों की दुश्मन है। सीपीआईएम ने कर्जा माफी, बिजली, बीमा क्लेम की सफल लडाई लड के किसानों को राहत दी। इस चुनाव में माकपा के पक्ष में वोट करके कांग्रेस और बीजेपी से बदला लेना है।

सीपीआईएम के राज्य सचिव छगनलाल चौधरी ने बताया कि किसान और मजदूरों की लडाई को ओर मजबूत करने के लिये माकपा को वोट देने की अपील की। जिला सचिव निर्मल प्रजापत ने बताया कि इस मंहगाई के दौर में जिस कदर शिक्षा को बेचा जा रहा है वो बर्दास्त नही किया जाएगा। माकपा के राज्य कमेटी सदस्य आबिद हुसैन ने कहा कि पूंजीपतियों की पार्टियों को हराना है। माकपा के प्रत्याशी सांवरमल मेघवाल ने बताया कि पार्टी ने मुझे विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया पूर्ण विश्वास के साथ पार्टी के निर्णय पर खरा उतरते हुए आंदोलन को ओर मजबूत करेंगे। किसान मजदूर भवन से दोपहर 1 बजे रैली के रूप में मुख्य बाजार होते हुए उपखण्ड कार्यालय पहुंचे।

- **माकपा ने किया नामांकन दाखिल**

# मेवात के साइबर ठगों पर भरतपुर पुलिस ने डाली नकेल

## पुलिस ने 58 हजार से अधिक सिम कार्ड एवं करीब 69 हजार मोबाइल फोन बंद कराए

**भरतपुर,** (निसं)। जिले में एसपी श्याम सिंह के निर्देशन में साइबर सैल द्वारा कार्रवाई की गई । जिले के मेवात क्षेत्र में साइबर अपराधियों द्वारा साइबर अपराध में प्रयुक्त दूसरे प्रदेश विशेषकर असम, उडीसा एवं पश्चिम बंगाल राज्य से फर्जी दस्तावेजों पर एक्टिवेट 58991 मोबाईल फोन सिम कार्ड एवं इनमें प्रयुक्त 69599 मोबाईल फोन आईएमईआई नम्बरों को गत अक्टूबर माह तक बंद कराया गया है।

जिला पुलिस द्वारा साइबर अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करते हुये अब तक 31 प्रकरण दर्ज कर 43 मुलजिमों को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया। साइबर अपराधियों के विरूद्ध इन प्रकरणों में 63 मोबाइल फोन मय फर्जी सिम कार्ड के अतिरिक्त साइबर अपराधों में प्रयुक्त अन्य प्रदेशों की 195 फर्जी सिम कार्ड, 22 फर्जी एटीएम/क्रेडिट कार्ड, बैंक चैक बुक, पैन कार्ड, दो बोलेरो गाडी, 5 बाईक एवं साईबर ठगों द्वारा विभिन्न शिकायत कर्ताओं के ठगे गये 203400 रूपये जप्त किये गये है।

जिला भरतपुर में वर्ष 2022 में अब तक साईबर अपराधों के सम्बंध में अनुसंधान हेतु करीब 150 से अधिक बार विभिन्न राज्यों एवं जिलों की पुलिस टीमें जिला भरतपुर में साईबर अपराध अनुसंधान के सम्बन्ध में आई जिनको जिला पुलिस द्वारा एवं स्थानीय थाना पुलिस द्वारा अनुसंधान में अपेक्षित सहयोग प्रदान कर 58 प्रकरणों में मुलजिमों को गिरफ्तार कर अन्य राज्यों एवं जिलों की पुलिस को सुपुर्द किया गया। अन्य राज्यों एवं जिलों से आने वाली पुलिस टीमों द्वारा 12 बार स्थानीय पुलिस को सूचित किये बिना सीधे कार्रवाई की गई। स्थानीय पुलिस को सूचित किये बिना सीधे अन्य राज्यों/जिलों की पुलिस टीम द्वारा की गई कार्रवाई में ठागीणों द्वारा अभियुक्तों को छुडाने एवं पुलिस टीम के साथ पथराव करने जैसी 02 घटनायें इस वर्ष हुई है। जिनमें स्थानीय पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर 8 मुलजिमों को गिरफ्तार किया गया है।

इसके अतिरिक्त जिला पुलिस द्वारा साईबर अपराधों की त्वरित रोकथाम व आमजन की सहायतार्थ पर प्राप्त साईबर अपराध संबंधी शिकायतों में त्वरित कार्यवाही करते हुये अब तक कुल 30 लाख 4 हजार 794 रूपये विभिन्न शिकायत कर्ताओं के बचाये गये है। जिनमें से 14 लाख 43 हजार 63 रुपये विभिन्न शिकायतकर्ताओं को वापस प्राप्त हो चुके है। शेष होल्ड रकम को वापस सॉर्स अकाउण्ट में रिवर्ट कराने की प्रक्रिया अनवरत जारी है।

# अग्निवीर सेना भर्ती में 40 हजार युवा पहुंचे

**कोटा,** (निसं)। जिला मुख्यालय के महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में आयोजित अग्निवीर सेना भर्ती रैली में प्रदेशभर के 73 हजार 855 युवाओं ने पंजीयन कराया था। 15 दिवसीय रैली में भाग लेने के लिए लगभग 40 हजार युवा विभिन्न दिवसों में कोटा पहुंचे।

निदेशक सेना भर्ती कोटा कर्नल जायफ के जोसफ ने बताया कि पहली बार आयोजित सेना अग्निवीर भर्ती रैली में युवाओं ने उत्साह से भाग लिया। 29 हजार युवाओं ने विभिन्न दिवसों पर दौड़ में भाग लिया गया। रैली के सभी आयोजन सेना, जिला प्रशासन, पुलिस एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग से सफल रहे। बुधवार को रैली में 775 उम्मीदवार दौड़े-सेना भर्ती कार्यालय कोटा के द्वारा महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में चल रही सेना भर्ती में बुधवार को दो जिलों के 16 तहसीलों के 775 उम्मीदवार दौड़े। निदेशक सेना भर्ती कार्यालय ने बताया कि बांसवाड़ा जिले की घाटोल, गढ़ी, बांसवाड़ा, बागीदौरा, कुशलगढ़, आनंदपुर, गांगड़तलाई, छोटी सरवन, आबापुरा, गनोड़ा एवं सज्जनगढ़ तहसीलों के उम्मीदवार दौड़े। इसी प्रकार प्रतापगढ़ जिले की धरियावद, पीपलखूंट, छोटीसादड़ी, प्रतापगढ़ एवं अरनोद तहसीलों के उम्मीदवार दौड़े।

# 'राजस्थान में बेरोजगार युवकों के साथ बार-बार हो रहा छलावा'

## गेस्ट फैकल्टी के लिए हजारों बेरोजगारों ने बड़ी दौड़-भाग के साथ आवेदन किए लेकिन राज्य सरकार ने रोक लगा दी

**चाकसू,** (निसं)। कांग्रेस पार्टी द्वारा गुजरात में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में बेरोज़गारी का मुद्दा एवं संविदा पर हो रही नियुक्तियां बंद करने का मामला जोर शोर से उठाया जा रहा है। राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं भारत जोडो यात्रा पर निकले राहुल गांधी इस विषय को प्रमुखता से ले रहे हैं। लेकिन उनके द्वारा संचालित राजस्थान की सरकार में बेरोज़गारी के मामले में युवाओं के भविष्य के साथ किस तरह खिलवाड़ करती आ रही है इसका ज्वलंत उदाहरण शिक्षा विभाग द्वारा विद्या संबल योजना में एन वक्त पर शिक्षा निदेशक द्वारा अपरिहार्य कारण बताते हुए गेस्ट फैकल्टी योजना पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा देना है ।

उल्लेखनीय है कि विद्या संबल योजना में राज्य के स्कूलों में चल रहे रिक्त पदों पर अस्थाई भर्ती के लिए गेस्ट फैकल्टी पर भर्ती के लिए हजारों की संख्या में शिक्षित बेरोजगारों ने बड़ी दौड-भाग के साथ आवेदन किए। एक एक पद के लिए बड़ी संख्या में आवेदन किए, मूल दस्तावेज जांच एवं 19 नवम्बर को ज्वाइन करने की तिथि के पहले ही शिक्षा विभाग ने बेरोजगारों की आशाओं पर पानी फेर दिया।

- **इसी प्रकार कोरोना महामारी के दौरान लगाये गये कोविड स्वास्थ्य सहायकों को एक आदेश से बाहर कर दिया**

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिलाध्यक्ष रामावतार शर्मा, महावीर प्रसाद गुप्ता एवं शिक्षक नेता रामस्वरूप गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के युवाओं के साथ यह छलावा पहली बार नहीं हो रहा है ।

इसी प्रकार कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन की रक्षा के लिए निविदा पर सभी जिलों में हजारों की संख्या में कोविड स्वास्थ्य सहायकों की भर्ती की गई। लोगों को घर घर जाकर कोरोना की डोज लगाने में राजस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया लेकिन दुर्भाग्य उन कोविड चिकित्सा सहायकों को छह महीनों तक जम कर काम लेने के बाद एक आदेश से बाहर कर दिया गया। 28 से 30 हजार चिकित्सा सहायक अपनी नियुक्ति के लिए राजधानी में लम्बा संघर्ष कर के निराश हो गए है। आश्वासनों के अलावा कुछ नहीं मिल रहा।

चुनाव के समय कांग्रेस सरकार ने संविदाकर्मियों को नियमितीकरण का भरपूर आश्वासन दे कर समर्थन प्राप्त कर लिया, लेकिन सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने जा रही है, संविदाकर्मियों को उनका हक नहीं मिला। एक लाख से अधिक संविदाकर्मियों को उनके साथ न्याय होने का इंतजार है। सरकार का कहना है कि संविदाकर्मियों को राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स,2022 के दायरे में लिया जाएगा।

इसके अनुसार संविदा कर्मी पांच साल तक काम करने पर भी स्क्रीनिंग के बाद ही नियमित हो पाएंगे। प्रश्न यह उठ रहा है कि जिसने दस साल तक संविदा पर सेवाएं दे दी है, उसके लिए भी दरवाजे बंद है क्या?